हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 6 जून 2025

11 सरकार और जिला प्रशासन पर्यावरण संरक्षण...

12 वार्ड पार्षद को गंदे पानी में चलाने का माफीनामा...

CBSE बोर्ड, हरियाणा बोर्ड व अन्य किसी भी बोर्ड से फेल विद्यार्थी इसी वर्ष फेल विषयों की परीक्षा देकर साल बचाएं।
10th & 12th (NIOS) ओपन से पास करें।
D.R. GROUP OF INSTITUTIONS
महेन्द्रगढ़ नजदीक सतनाली चौक, नारनौल रोड़, महेन्द्रगढ़ Call us: 8059001617, 8059171616
कोसली बिजली बोर्ड के सामने, कोसली Call us: 9050676072
सभी कोर्स सरकारी यूनिवर्सिटी व बोर्ड से पास करें।
B.A., B.Com., B.Sc., M.A.,M.Sc. M.Com., Yoga Teacher, NTT, B.Ed., JBT, LLB, D. Pharmacy
- YOGA TEACHER TRAINING PROGRAMME
- CERTIFICATE IN AGRICULTURE AND ANIMAL HUSBANDRY
- CERTIFICATE IN COMPUTER APPLICATION
- CERTIFICATE IN EARLY CHILDHOOD CARE AND EDUCATION (NTT)
- CERTIFICATE IN BEAUTY CULTURE & HAIR CARE
- AYRVEDA AND YOGA
- DIPLOMA IN RADIOGRAPHY
- ELECTRICAL TECHNICIAN
- CERTIFICATE IN WELDING
- CERTIFICATE IN PANCHKARMA ASS.

।। तमसो मा ज्योतिर्गमय ।।
MR DEGREE COLLEGE
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

खबर संक्षेप

सातवें रक्तदान शिविर का आयोजन कल

नारनौल। बाबा निहालचंद सेवादल पटीकरा की ओर से भंडारा व सातवां रक्तदान शिविर का आयोजन शनिवार प्रातः नौ बजे बाबा निहालचंद मंदिर पटीकरा में किया जाएगा। सेवादल के प्रभारी संदीप राव ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य है कि जरूरत पड़ने पर रक्तकोष में पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रहे। जोशी समाजसेवा समिति जींद हरियाणा की ओर से प्रथम 50 रक्तदाताओं को हेलमेट देंगे।

खेलो इंडिया लघु केंद्र स्थापना को आवेदन

नारनौल। हरियाणा खेल विभाग व भारतीय खेल प्राधिकरण उतरी क्षेत्रीय केन्द्र जोशी चौहान बहालगढ सोनीपत की ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार जिले में खेलों इंडिया लघु केन्द्र स्थापित करवाने के लिए पूर्व चैम्पियन एथलीट के लिए आवेदन पत्र आमन्त्रित किए हैं। जिला खेल अधिकारी नरेन्द्र कण्डू ने बताया कि जिलों में एक खेलों इंडिया लघु केन्द्र स्थापित करवाने के लिए पूर्व चैम्पियन एथलीट के लिए आवेदन पत्र आमन्त्रित किए हैं।

मारपीट करने के आरोप में 6 लोग नामजद

कनीना। गांव सुंदरह में साली के यहां आए व्यक्ति के ट्रैक्टर से खेत में जुताई कर रहे युवक से मारपीट के आरोप में छह पर केस दर्ज किया है। चरखी दादरी के भागेश्वरी निवासी संजय ने बताया कि वह ट्रैक्टर लेकर साढ़ु रामसिंह के पास गया था। जहां उनकी पत्नी ममता व पुत्र कर्णसिंह मिले। कर्णसिंह ने कहा कि वह उनके ट्रैक्टर से अपने खेत की जुताई कर देता है। जुताई करते समय कर्णसिंह को वापस बुलाने गया तो लालाराम, बसंत कुमार, कार्तिक, पप्पू, अतर सिंह, रगबीर सिंह ने उनसे व ममता से डंडे से मारपीट की। ममता की लड़की व पति से भी मारपीट की।

बाबूलाल मुंडियाखेड़ा को प्रदेश महामंत्री बनाया

कनीना। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद की ओर से बाबूलाल मुंडियाखेड़ा को प्रदेश महामंत्री के पद पर नियुक्त किया गया है। परिषद के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. चित्रकुमार सांभरवाल ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मांगरिया की सहमति के बाद यह जिम्मेदारी दी गई है। नियुक्ति पर बाबूलाल मूंडियाखेड़ा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मांगरिया, राष्ट्रीय संयोजक फग्गनसिंह कुलस्ते, संरक्षक मुकुल वासनिक, अध्यक्ष डॉ. चित्रकुमार सांभरवाल, डॉ. रघुनाथ विश्व प्रेमी का आभार जताया है।

बरसाती सीजन में पौधे लगाए का लिया निर्णय

कनीना। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैमोरियल क्लब में भारत विकास परिषद की ओर से बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता एसएम राजेश कुमार ने की। जिसमें 21 जून को योग दिवस की रूपरेखा तैयार की गई। योग के लिए जोगेंद्र फौजी की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा। मौके पर

अवैध खनन और वन माफिया की कुल्हाड़ी की मार से प्रकृति का आस्तित्व खतरे में पड़ा

पांच सालों में 5.41 लाख पौधरोपण करके भी हरियाली का रकबा नहीं बढ़ा पाया वन विभाग

नांगल चौधरी व आसपास के गांवों में 10 से अधिक आरामशीन लगीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

- नांगल चौधरी-निजामपुर ब्लॉक में 75 पंचायतें

प्रकृति ही स्वस्थ्य जीवन और समृद्धि का आधार है। जिसकी सुरक्षा को लेकर फोरेस्ट विभाग ने नांगल चौधरी रेंज में बीते पांच साल के दौरान 5.41 पौधे लगाए हैं। दूसरी तरफ विभागीय रिकार्ड में केवल 204 हरे पेड़ों की कटाई हुई है, बावजूद हरियाली का बढ़ा हुआ रकबा दिखाई नहीं दे रहा है। इसका मुख्य कारण अवैध खनन और वन माफिया की कुल्हाड़ी का माना जा रहा है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से प्रदुषित पर्यावरण और सर्दियों में स्मॉग की समस्या बढ़ गई है।

गौरतलब है कि नांगल चौधरी-निजामपुर ब्लॉक में 75 पंचायतें हैं। सभी पंचायतों को हर साल पौध रोपण तथा बड़े पेड़ों की सुरक्षा करने की हिदायत है। वन विभाग को हर साल पौध तैयार करने तथा स्वयं व पंचायती मलकियत पर रोपण करने के निर्देश हैं। पौधरोपण में परेशानी नहीं रहे तथा पौधों की उपलब्धता के लिए वन विभाग को जिम्मेदारी सौंप दी गई। इसके साथ ही विभाग को पौधों की देखरेख व सिंचाई करनी होगी। पेड़ों की अवैध कटाई पर अंकुश लगाने के लिए रेंज स्तर पर गार्डों की नियुक्ति कर रखी है। भवन, सड़क या अन्य कोई रुकावट होने पर विभागीय अनुमति लेकर ही पेड़ों की कटाई कर सकेंगे। नियमों की अनदेखी करने पर जुर्माने व केस दर्ज करने का प्रावधान है। बावजूद हरे पेड़ों की अवैध कटाई पर अंकुश नहीं लगा पाया है। यह पुष्टि विभागीय आंकड़ों से होती है, क्योंकि बीते पांच साल के दौरान नांगल चौधरी के विभिन्न गांवों में 5.41 लाख पौधे लगाए थे। रिकार्ड के अनुसार विभाग ने 2019 में 125 एकड़ रकबे पर पौधरोपण किया था। 2020 में 160 एकड़, 2021 में 180 एकड़, 2022 में 125 एकड़ तथा 2023 में 75 एकड़ पर विभिन्न किस्म के पौधे लगाए गए थे। पांच साल में 665 एकड़ रकबे पर हरियाली हो जानी चाहिए थे किंतु धरातल पर स्थिति विपरीत है। ऐसे में योजनाएं बजट और प्रयास नकारा साबित हो रहे हैं।

हरियाली को बचाने में आम नागरिकों की भागीदारी चिंताजनक

65 फीसदी पौधों को जीवित रखना अनिवार्य

नांगल चौधरी। हजारों छायादार पौधों से हरी भरी कृष्णावती नदी का अवैध खनन से बिगड़ा हुआ स्वरूप।

पौधारोपण के बाद तीन साल तक अधिग्रहित रकबा फोरेस्ट विभाग के आधीन रहता है। रकबे पर जितने पौधे लगाए थे, पहले साल 65 फीसदी पौधों का जीवित रखना जरूरी है। दूसरे साल 60 तथा तीसरे साल 55 फीसदी पौधों को ग्रोथ की स्थिति में रखना होगा। तीन साल के बाद पौधे को सर्दी व पशुओं से खतरा नहीं रहता, इसलिए पंचायतों के सुपुर्द करने की हिदायत है।

कृष्णावती नदी की हरियाली शत प्रतिशत खत्म, अवैध खनन जिम्मेदार

शहबाजपुर, दोस्तपुर, भेड़टी, नोलायजा, नांगल कालिया के ग्रामीणों ने बताया कि 1999–2000 तक कृष्णवती नदी हरियाली से भरपूर थी। इसके बाद विभाग ने शहबाजपुर नदी को बजरी खनन के लिए लीज पर छोड़ दी, इसके साथ माफिया ने दोस्तपुर, दताल, भेडंटी की नदी में भी बजरी निकाल ली। खनन के दौरान 10 हजार से अधिक हरे पेड़ों को काट दिया गया। वर्तमान में पूरी कृष्णावती नदी वीरान स्थिति में है, जहां विभिन्न प्रजाति के पक्षी व पशु विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गए।

फसलों की कटाई होते ही पेड़ों पर पड़ने लगती है कुल्हाड़ी

नांगल चौधरी व आसपास के गांवों में 10 से अधिक आरामशीन हैं, सभी मशीनों पर पेड़ों का स्टॉक देखा जा सकता है। सूत्रों का मानना है कि फसलों की कटाई होते ही आरामशीनों पर हरे पेड़ों की आवक होने लगती है। साथ ही वन माफिया द्वारा फोरेस्ट रकबे पर चोरी.छुपे पेड़ों की अवैध कटाई करके बेचे जाते हैं। जिस कारण जितने पौधे लगते हैं उससे अधिक हर साल उजड़ने से हरियाली को खतरा बना हुआ है।

अवैध खनन रोकने के लिए चलाया छापेमारी अभियान

फोरेस्ट विभाग के रेंज अधिकारी रजनीश यादव ने बताया कि मौसम की मार या अन्य कारणों ने 25–30 फीसदी पौधे नष्ट हो जाते हैं। पौधारोपण के बाद सिंचाई करने का प्रबंध है तथा सर्दियों से बचाव को लेकर विभिन्न प्रयास किए जाते हैं। अवैध खनन और कटाई की रोकथाम के लिए विभाग पूरी तरह अलर्ट है। पहाड़ और नदियों में औचक छापेमारी का अभियान चला हुआ है।

पांच में पौधरोपण और कटाई की अनुमति का विवरण

साल	पौधरोपण	काटने की अनुमति
2019	92229	118
2020	38068	52
2021	186727	00
2022	108122	22
2023	116089	12

कमिश्नर की सुनवाई में अमरपुर जोरासी के सरपंच हरीराम बहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- डीसी के आदेशों के विरुद्ध कमिश्नर के यहां अपील दायर की थी

फॉलोअप

अमरपुर जोरासी के सरपंच हरीराम शर्मा को निलंबित करने के डीसी के आदेशों पर गुरुग्राम कमिश्नर के स्थगन के आदेश आ गए हैं। सरपंच ने डीसी के आदेशों के विरुद्ध कमिश्नर के यहां अपील दायर की थी, जिसकी सुनवाई करते हुए सरपंच को बहाल कर दिया गया। इसी कड़ी में अमरपुर जोरासी के सरपंच हरीराम शर्मा ने बताया कि उन पर कुछ विरोधियों ने अपने लोगों के नाम जमीन कराने का उन पर आरोप लगाया गया था, जो कि झूठा, बेबुनियाद एवं मनघड़ंत था। उन्होंने बताया कि पिछली योजना में गांव का सरपंच कोई ओर था। तब लाल डोरा की जमीन दुरुस्तीकरण करने के लिए गांव में छह कमेटियां बनाई हुई थी। वर्ष 2020 में तब सरपंच रमेश चंद था। उस वक्त दो-तीन बार लिस्ट बनी थी, लेकिन अब विरोधियों ने मनमाफिक पटकथा लिख ली और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को मनचाहा गुमराह कर दिया, जबकि उसका कोई दोष नहीं था। उन्होंने अपना पक्ष भी अधिकारियों के सम्मुख रखना चाहा, लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की और उनके विरुद्ध निलंबन की एकतरफा कार्रवाई की गई, जिसके विरुद्ध कमिश्नर गुरुग्राम के यहां अपील की गई। अपील में कमिश्नर ने सरपंच पद बहाल कर दिया है।

आईटीआई संस्थानों में आज शुरू होगी दाखिला प्रक्रिया

महेंद्रगढ़। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान विभाग की ओर से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में वर्ष 2025-26 सत्र में दाखिला प्रक्रिया 6 जून से होगी। आवेदन प्रक्रिया 20 जून तक जारी रहेगी। दाखिला के इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। जिले की 11 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की 3416 सीटों पर दाखिले किए जाएंगे। संस्थानों की आरे से युवाओं के आवेदनों में सहायता के लिए हेल्प डेस्क लगाई गई है। विद्यार्थी अपनी मनपसंद की जो ट्रेड लेना चाहता है वह शुक्रवार से आनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकता है। 11 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान है इनमें नारनौल व महेंद्रगढ़ में महिला आईटीआई है। दाखिलें के लिए आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, बैंक खाता तथा अन्य दस्तावेज ऑनलाइन डाटा देने से पहले जांच करके ही सबमिट करें। अन्यथा उनका आवेदन रद्द कर दिया जाएगा। आवेदन के समय किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या आती है तो वह आईटीआई में आकर जानकारी प्राप्त कर सकता है।

इन दस्तावेजों की जरूरत

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दाखिले के लिए विद्यार्थी को परिवार पहचार पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, स्वयं का मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, जाति प्रमाण पत्र, पिता विहीन या अनाथ का प्रमाण पत्र, एक्स सर्विसमैन प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक सहित ऑनलाइन पेमेंट के लिए बैंक कार्ड की जरूरत होगी।

सीटों पर एक नजर

संस्थान	सीटें
नारनौल	872
महिला नारनौल	312
भोजावास	244
डेरोली अहीर	148
महेंद्रगढ़	668
सेहलंग	172
सतनाली	216
महिला महेंद्रगढ़	180
मालड़ा बास	220
शाहबाजपुर	148
सुजापुर	236

20 तक चलेगी आवेदन प्रक्रिया

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रभारी संदीप ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान विभाग की ओर से शुक्रवार से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। इच्छुक विद्यार्थी 20 जून तक पोर्टल पर आनॅलाईन आवेदन कर सकते है। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए संस्थानों में हेल्प डेस्क भी लगाई गई है।

नवविवाहिता ने लगाई फांसी चार माह पहले हुई थी शादी

नारनौल। गांव गोद की नवविवाहिता ने अपने घर पर फांसी का फंदा लगाकर अज्ञात कारणों से अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार मौना पत्नी विवेक यादव वासी गोद की करीब चार महीने पहले शादी हुई थी, जिसने अज्ञात कारणों के चलते वीरवार को अपने घर पर ही फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए डैडबॉडी पोस्मार्टम के लिए सामान्य अस्पताल में रखवा दी तथा परिजनों के बयान पर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

नारनौल। क्षेत्र के गांव आजमनगर सिहार के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार अटाली निवासी सन्नी यादव की मौत हो गई। सुबह गांव वाले जब घूमने के लिए गए हुए थे, तब उन्होंने 112 पर कॉल की। लोकल पुलिस ने डेडबॉडी को सिविल हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवा दिया। परिजनों के बयान पर अज्ञात वाहन के खिलाफ कार्रवाई करने उपरांत शव का चिकित्सकों से पोस्टमार्टम कराया तथा उसे परिजनों को सौंप दिया।

कृषि भूमि का नक्सा बनाकर नहीं देने से वृद्ध भारी परेशान

नारनौल। गांव अमरपुर जोरासी निवासी वृद्ध व्यक्ति संतलाल शर्मा पटवारी द्वारा जमीन का नक्सा बनाकर नहीं देने से परेशान है। वृद्ध इसके लिए एसडीएम से लेकर डीसी तक के चक्कर लगा चुका, लेकिन नक्सा नहीं मिल पाया है।

संतलाल शर्मा ने बताया कि अपनी कृषि भूमि खंसरा नंबर 71 का नक्सा बनवाना चाहता है और इसकी उसे सख्त आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने हलका पटवारी के चक्कर लगाए, लेकिन उन पटवारियों की तीन बार ट्रांसफर हो चुकी है, लेकिन नक्सा बनाकर नहीं दिया जा रहा। इससे वह भारी परेशान है।

डीसी डॉ. विवेक भारती ने लिया निर्माण कार्यों का जायजा

एनर्जी कंजर्वेशन रेस्ट हाउस का निर्माण अंतिम चरण में

- लगभग 18 .50 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

महेंद्रगढ़ जिले के मुख्यालय नारनौल में लोक निर्माण विभाग की ओर से निर्मित किया जा रहा अत्याधुनिक रेस्ट हाउस अपने अंतिम चरण में है। यह ऐसा रेस्ट हाउस है, जिसे एनर्जी कंजर्वेशन बिल्डिंग कोड के मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। इससे पहले राज्य के कुछ ही जिलों में इस तकनीक से रेस्ट हाउस तैयार किए गए हैं। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने वीरवार को निर्माणाधीन रेस्ट हाउस का दौरा कर कार्य का जायजा लिया और विभाग के अधिकारियों की सराहना की।

नारनौल। रेस्ट हाउस का जायजा लेते डीसी डॉ. विवेक भारती। *फोटो : हरिभूमि*

उन्होंने बताया कि लगभग 18.50 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह रेस्ट हाउस जिले के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। डॉ. भारती ने इसके बेहतरीन डिजाइन की सराहना करते हुए बताया कि ईसीबीसी के तहत निर्मित भवनों का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा की खपत को कम करना और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना है। ऐसे भवन ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में भी सहायक होते हैं, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है। उपायुक्त ने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले में अब तक इस तरह का कोई रेस्ट हाउस नहीं था, जिससे वीआईपी आवाजाही के दौरान जिला प्रशासन को अक्सर दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

इस रेस्ट हाउस के बनने से ये परेशानियां दूर हो जाएंगी। इसका उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान बीएंडआर विभाग के कार्यकारी अभियंता अश्वनी कुमार व उपमंडल अधिकारी जितेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ये होंगी सुविधाएं

- 200 लोगों की क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस रूम पहली मंजिल पर बनाया गया, जो बड़ी बैठकों और आयोजनों के लिए उपयुक्त होगा
- छोटी मीटिंग के लिए एक कमेटी रूम भी तैयार किया गया
- इसमें एक मुख्यमंत्री सूट और दो वीआईपी रूम शामिल हैं
- 20 अधिकारियों के लिए कमरे भी बनाए गए हैं
- एक विशाल डाइनिंग हॉल और पैंट्री की व्यवस्था भी की गई

कृष्ण शर्मा को पर्यावरण मित्र सम्मान मिला

नारनौल। पर्यावरणविद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्ण शर्मा को विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में उत्कृष्ठ योगदान के लिए गौड़ ब्राहम्ण सभा के कार्यकारिणी सदस्य व पर्यावरणविद अधिवक्ता कृष्ण शर्मा को प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से पर्यावरण मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। मौके पर डॉ. संजय शर्मा, राकेश शर्मा, नरोतम सोनी, लोकांश, डॉ. पुष्पलता शर्मा मौजूद रहे।

टूरिस्ट स्पॉट्स / रजनी अरोड़ा

हमारे देश में ऐसे कई गार्डन हैं, जो अपनी नायाब खूबसूरती के लिए मशहूर हैं। इन गार्डंस में जो भी जाता है, यहां की खूबसूरती देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता है। जानो, देश के इन अमेजिंग गार्डंस के बारे में कि ये किन विशेषताओं के कारण मशहूर हैं।

अमेजिंग-अट्रैक्टिव गार्डंस

मुगल गार्डन श्रीनगर

धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में स्थित इस गार्डन को 17वीं शताब्दी में मुगल सम्राट जहांगीर ने बनवाया था। संपूर्ण मुगल गार्डन में शालीमार गार्डन, चश्म-ए-शाही,

निशात बाग जैसे कई खूबसूरत गार्डंस हैं। मुगल गार्डन अपने आश्चर्यजनक आर्किटेक्ट, फूलों की क्यारियों और पास बहने वाली डल झील के लिए मशहूर है। मुगल गार्डन में शालीमार बाग सबसे बड़ा और लोकप्रिय गार्डन है। यह फारसी और मुगल शैली में बना एक बेहतरीन पहाड़ी गार्डन है। इसमें 4 सीढ़ीदार लॉन हैं, जिसमें सबसे ऊपरी लॉन केवल मुगल शासकों और उनकी रानियों के लिए बनाया गया था। यहां अलग-अलग डिजाइन के फव्वारे भी बनाए गए हैं, जो गार्डन की खूबसूरती को बढ़ाते हैं। निशात बाग पारंपरिक शैली में बना दूसरा बड़ा मुगल गार्डन है। यह श्रीनगर से 11 किलोमीटर दूर डल झील के पूर्वी हिस्से पर बना हुआ है। इस गार्डन से तुम डल झील की खूबसूरती को भी निहार सकते हो। इस सीढ़ीदार गार्डन के एक तरफ झील और दूसरी तरफ हिमालय की चोटी दिखाई पड़ती है।

बॉटेनिकल गार्डन कोलकाता

कोलकाता के बॉटेनिकल गार्डन की स्थापना 1787 में रोबोट किड द्वारा की गई थी। यह गार्डन 109 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसकी देख-रेख बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा की जाती है। इस गार्डन की सबसे खास बात यह है कि यहां लोगों को दुनिया का सबसे बड़ा बरगद का पेड़ देखने को मिलता है, जिसकी चौड़ाई 330 मीटर से अधिक है।

रॉक गार्डन चंडीगढ़

यह गार्डन चंडीगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। इसका निर्माण नेक चंद सैनी ने करवाया था, इसीलिए इसे 'नेक चंद सैनी गार्डन' के नाम से भी जाना जाता है। रॉक गार्डन किसी भूल-भुलैया जैसा है। इस गार्डन की खासियत है कि इसे पूरी तरह से शहरी और औद्योगिक कचरे के स्क्रैप, जैसे- टूटे-फूटे कांच, पुरानी चूड़ियां, टाइल्स, क्रॉकरी, मार्बल्स आदि को रिसाइकल करके बनाया गया है। यह गार्डन ईको-टूरिज्म का बेहतरीन उदाहरण है।

बृंदावन गार्डन मैसूर

यह मैसूर से 20 किमी दूर कावेरी नदी में बने कृष्णराज सागर डैम के पास बना है। यह गार्डन इतना बड़ा है कि इसमें 20 लाख से भी ज्यादा लोग एक साथ घूम सकते हैं। इस गार्डन को कश्मीर के शालीमार गार्डन की तरह मुगल स्टाइल और आधुनिक बागवानी तकनीक के तालमेल से बनाया गया है। यह अपने आइसोमीट्रिक डिजाइन, सीढ़ीदार बगीचों

और लाइट से जगमगाते म्यूजिकल फव्वारों की खूबसूरती के लिए मशहूर है, जो रात में एक जादुई माहौल बनाते हैं।

बॉटेनिकल गार्डन ऊटी

यह भारत के सबसे बड़े बॉटेनिकल गार्डन में से एक है। 1848 में बनाया गया यह बॉटेनिकल गार्डन 22 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गार्डन की छोटी-बड़ी क्यारियों में पेड़-पौधों की 650 से अधिक किस्में मिलती हैं। यहां 20 लाख साल पुराने पेड़ का जीवाश्म संजो कर रखा गया है। इस गार्डन में 2000 से भी अधिक विदेशी प्रजाति के पेड़-पौधे हैं। गार्डन में बनी छतरीनुमा बैठने की जगह पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है, जो उन्हें कुछ पल वहां रुकने के लिए मजबूर कर देती हैं। हर साल मई के महीने में यहां समर फेस्टिवल मनाया जाता है। इस गार्डन का खास आकर्षण फ्लॉवर शो है। इस गार्डन की देख-रेख तमिलनाडु सरकार का हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट करता है।

हैंगिंग गार्डन मुंबई

यह गार्डन मालाबार हिल के पश्चिमी छोर पर कमला नेहरू पार्क के बगल में स्थित एक टेरेस गार्डन है। इसका निर्माण साल 1881 में उल्हास घाटकोपर द्वारा करवाया गया था। आज यह मुंबई के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इसे 'फिरोजशाह मेहता गार्डन' के नाम से भी जाना जाता है। इस गार्डन का प्रमुख आकर्षण 'ओल्ड

लेडी शू' है। शाम के समय इस पार्क में अरब सागर पर सूर्यास्त का नजारा देखते ही बनता है, जिसे देखने के लिए यहां पर्यटकों का तांता-सा लगा रहता है। *

एस्टिवेशन के जरिए अपने आपको भीषण गर्मी से बचाते हैं कुछ जंतु

बच्चो, कई जंतु गर्मी के मौसम में अपने आपको बहुत शिथिल और निष्क्रिय कर लेते हैं। ऐसा करके वे प्रतिकूल मौसम में अपने आपको बचाते हैं। इस प्रक्रिया को एस्टिवेशन या ग्रीष्म निष्क्रियता कहते हैं। जानो, क्या है एस्टिवेशन और इससे इन जंतुओं को क्या लाभ मिलता है?

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चो, गर्मी के मौसम में अगर तुम कभी जू गए हो, तो तुमने घड़ियाल को दलदल-कीचड़ में, जलाशय के पास मुंह फाड़े आलस्य की अवस्था में पड़े देखा होगा। काफी देर तक उसके शरीर में कोई हलचल नहीं होती। घड़ियाल को इस अवस्था में देखकर यह संदेह होता है कि कहीं वह मर तो नहीं गया? या फिर यह पत्थर की बनी घड़ियाल की आकृति तो नहीं है? दरअसल, गर्मी के मौसम में घड़ियाल एस्टिवेशन की प्रक्रिया से गुजर रहा होता है।

क्या है एस्टिवेशन: गर्मी के महीनों में बहुत-से जंतु अपनी शारीरिक गतिविधि धीमी या बंद कर

देते हैं। इस दौरान वे बिल्कुल शिथिल होकर किसी छायादार, जलमग्न या ठंडी जगह पर पड़े रहते हैं या सोए रहते हैं। ऐसा वे खुद को रिलैक्स करने और ऊर्जा बचाने के लिए करते हैं। इस पूरी

प्रक्रिया को एस्टिवेशन या ग्रीष्म निष्क्रियता कहते हैं।

क्यों करते हैं एस्टिवेशन: कुछ जंतु एस्टिवेशन इसलिए करते हैं ताकि भयंकर गर्मी में खुद को सुरक्षित रख सकें। एस्टिवेशन की प्रक्रिया के दौरान जंतु के शरीर में कई तरह के परिवर्तन भी होते हैं। ज्यादातर जंतुओं में मेटाबॉलिक दर कम हो जाती है। हार्ट बीट और ब्रीदिंग भी काफी धीमी हो जाती है। एस्टिवेशन गर्मी के मौसम में जानवरों को डिहाइड्रेशन से भी बचाता है।

कौन से जंतु करते हैं एस्टिवेशन: एस्टिवेशन वर्टिब्रेट्स (कशेरुकी यानी रीढ़ की हड्डी वाले) और इनवर्टिब्रेट्स (अकशेरुकी यानी बिना रीढ़ की हड्डी वाले) दोनों प्रकार के जंतु करते हैं। ये जलीय, स्थलीय या उभयचर हो सकते हैं। घड़ियाल, कछुआ, मेंढक, सांप की कई प्रजातियां, लंग फिश, लेडी बीटल, मच्छर, हनी एंट, पतंगे, केंचुए, घोंघे, केकड़े जैसे कई जंतु गर्मी के मौसम में एस्टिवेशन करते हैं। *

हमिंग बर्ड, ड्वार्फ लेमुर भी करते हैं एस्टिवेशन

पक्षियों में हमिंग बर्ड भी एस्टिवेशन करता है। दरअसल, हमिंग बर्ड में मेटाबॉलिज्म (चयापचय) बहुत तेजी से होता है, जिसके लिए उसे अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। गर्मी के मौसम में जब हमिंग बर्ड को कम भोजन मिलता है, तो वह कुछ समय के लिए एस्टिवेशन में चला जाता है ताकि वह अपनी ऊर्जा बचा सके। इसी तरह ड्वार्फ लेमूर भी गर्म और शुष्क मौसम में खुद को जीवित रखने के लिए एस्टिवेशन का सहारा लेता है। ड्वार्फ लेमूर तो कई बार सात महीने तक एस्टिवेशन में रहता है।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

गुदगुदाती-सिखाती कहानियां

बच्चो, हाल में ही दस मजेदार कहानियों की किताब 'बादल रोने लगा' छपकर आई है। इस किताब के लेखक प्रसिद्ध बाल-साहित्यकार संजीव जायसवाल 'संजय' हैं। किताब की लगभग सारी कहानियां ऐसी हैं, जिन्हें पढ़ने में तुमको मजा तो आएगा ही, बुरी आदतों से दूर रहने की सीख भी मिलेगी। पहली कहानी 'पिंटू आइस पार्लर' में चालाक जंबो हाथी को जंगल के मंत्री भालू दादा कैसे सबक सिखाते हैं, यह पढ़ सकते हो। 'बादल रोने लगा' एक भोले-भाले बादल के टुकड़े की प्यारी सी कहानी है। खेती करने के लिए हल और बैल में से किसान के लिए क्या अधिक महत्वपूर्ण होता है, इसका जवाब तुम 'हल और बैल' कहानी में जान सकते हो। कुछ इसी तरह सिलाई करने वाली सूई के घमंड का क्या परिणाम होता है, इसे 'नाली में सूई' कहानी में पढ़ सकते हो। खुद को दूसरे से श्रेष्ठ मानने वाली सब्जियों के आपसी विवाद की मजेदार कहानी 'सब्जियों का राजा कौन' है। चुन्नी नाम की गिलहरी को अपनी नासमझी का क्या परिणाम भुगतना पड़ता है, इसे गुदगुदाने वाली कहानी 'कटहल ने दौड़ाया' में पढ़ सकते हो। इसी तरह 'जलेबी और समोसा' कहानी पढ़कर भी तुमको मजा आएगा। इसमें एक ऐसे लापरवाह मिठाई वाले का किस्सा है, जो साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखता है। उसकी दुकान में रखे समोसे और जलेबी की बातचीत बहुत रोचक है। इनके अलावा 'शरारतों के उस्ताद', 'टीटू तुम फिर आना' और 'बात समझ में आ गई' कहानियां पढ़ने में भी तुमको खूब मजा आएगा। *

किताब : बादल रोने लगा, **लेखक :** संजीव जायसवाल 'संजय', **मूल्य :** 260 रुपए, **प्रकाशक :** अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

कहानी
मोहम्मद अरशद खान

कल ही हमने पर्यावरण दिवस मनाया है। पेड़-पौधे हमारे जीवन में ही नहीं, हर जीव जंतु के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं, यह कहानी यही बता रही है। अप्पू ने अपने घर के लॉन में लगे एक घने, विशाल पेड़ को जिद करके कटवाना चाहा तो हाहाकार-सा मच गया। क्या अप्पू को पेड़ काटने का इरादा छोड़ना पड़ा?

अप्पू और पेड़

अप्पू के लॉन में एक पेड़ था। पेड़ पर कौए दिन भर शोर मचाते रहते थे। बंदर भी खूब उछल-कूद करते। हवा चलती तो कमरे में ढेर सारी सूखी पत्तियां भर जातीं। अप्पू को इन चीजों से बड़ी उलझन होती। एक दिन अप्पू ने परेशान होकर पापा से कहा कि पेड़ कटवा दें। पापा ने उसे बहुत समझाया लेकिन वह नहीं माना। आखिरकार उसकी जिद पर पापा पेड़ कटवाने पर राजी हो गए।

अगले दिन अप्पू हमेशा की तरह अपने कमरे में बैठा पढ़ रहा था। अचानक खिड़की पर 'चीं-चीं' की आवाज सुनाई दी। उसने देखा एक चिड़िया अपने दो बच्चों के साथ बैठी उसकी ओर देख रही थी। उसका चेहरा उदासी से लटका हुआ था।

'तुम्हें क्या हुआ नन्ही चिड़िया?' अप्पू ने पूछा।

चिड़िया ने बताया, 'अप्पू, मैं तुम्हें अलविदा कहने आई हूं।' अप्पू चिड़िया की बात सुनकर हैरान रह गया।

'सुना है यह पेड़ कटने जा रहा है। अब नए घर की तलाश में मुझे कहीं और जाना होगा। मेरे बच्चे अभी छोटे हैं। वे लंबी उड़ान नहीं भर सकते। रास्ते में चील-कौओं का भी खतरा रहेगा। इसलिए मैं बहुत परेशान हूं।' चिड़िया यह कह कर दुःख से चेहरा लटकाए चली गई।

अप्पू चिड़िया को पुकारना ही चाहता था कि तभी एक गिलहरी खिड़की पर चढ़ आई। उसका चेहरा भी उतरा हुआ था। वह दुखी स्वर में बोली, 'यह पेड़ मुझे बहुत प्यारा था। मैं इसकी गोद में खेल-कूदकर बड़ी हुई हूं। इसे छोड़ते हुए बहुत दुख हो रहा है, लेकिन जब यह पेड़ ही नहीं रहेगा तो मैं यहां रह कर क्या करूंगी?' गिलहरी उदासी से मुंह लटकाए चली गई। अप्पू उसकी हिलती हुई पूंछ तब तक देखता रहा, जब तक वह लॉन की दीवार से नीचे नहीं उतर गई।

तभी अप्पू की नजर लाइन बना कर जाती हुई चींटियों पर पड़ी। वे हड़बड़ी में थीं, अपने अंडे उठा कर भागी जा रही थीं। 'तुम सब कहां भागी जा रही हो?' अप्पू ने चींटियों से पूछा। 'इस पेड़ की जड़ों में हमारी बांबी थी, लेकिन अब यह पेड़ कटने वाला है, इसलिए हम लोग यह जगह छोड़कर जा रही हैं।' कहते हुए चींटियों का झुंड आगे बढ़ गया।

तभी खिड़की के पल्लों को खटखटाती हुई ठंडी हवा अंदर आई। अप्पू को बहुत अच्छा लगा। उसने कहा, 'धन्यवाद हवा, तुम्हारी वजह से हमें कितनी राहत मिलती है।'

हवा बोली, 'लेकिन अप्पू, मैं यह कहने आई हूं कि आज के बाद से मैं इधर नहीं आया करूंगी। पेड़ से मेरी दोस्ती थी। उसकी वजह से मैं इधर खिंची चली आती थी, लेकिन अब मेरा आना इधर नहीं हो पाएगा। अब यहां मेरी छोटी बहन गर्म हवा आया करेगी।' हवा की बात सुनकर अप्पू एकदम घबरा गया।

हवा के जाते ही बादल का एक टुकड़ा खिड़की पर आकर टिक गया और बोला, 'मैं भी तुम्हें अलविदा कहने आया हूं, अप्पू। पेड़ जब गर्मी से परेशान हो जाता था तो वह हवाओं से संदेश भिजवाता था। मैं आकर गर्मी से तप रही धूल सनी पत्तियों को अपनी फुहारों से धो देता था। फिर हम दोनों मिल कर खूब बातें करते थे। अब उसके बिना यहां आकर मैं क्या करूंगा?' इतना कह कर बादल आसमान में ऊपर उठ गया और धीरे-धीरे गायब हो गया।

अप्पू ने देखा फूल, रंग, खुशबू सब धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। वह यह सब देखकर डर गया। वह चीख पड़ा, 'नहीं-नहीं यह पेड़ नहीं कटेगा ..पेड़ नहीं कटेगा... मम्मी...! पापा...!'

'क्या हुआ अप्पू? नींद में क्या बड़बड़ा रहे हो?' मम्मी अप्पू को जगाती हुई बोलीं। दरअसल, अप्पू पढ़ते-पढ़ते मेज पर ही सिर रख कर सो गया था।

'अच्छा, तो यह केवल एक सपना था!' अप्पू ने चैन की सांस ली और माथे का पसीना पोंछने लगा। उसने खिड़की से बाहर झांक कर देखा। पेड़ की पत्तियां धूप में चमक रही थीं। वह पेड़ हवाओं के साथ सुर में सुर मिला कर गा रहा था। अप्पू भाग कर बाहर आया और उसने पेड़ को अपनी बांहों में भर लिया। अप्पू ने मन ही मन तय कर लिया था कि वह पापा से कह देगा कि अब इस पेड़ को नहीं कटवाएं। *

कविता
राकेश चक्र

कुल्फी लगे बड़ी कमाल

उमस, गर्मी से बेहाल।
ताजा नीर करे निहाल।।
घूंट-घूंट से बुझे प्यास है।
घड़ा, सुराही नीर स्वाद है।
कुल्फी लगे बड़ी कमाल।।
चिप-चिप-चिप-चिप बहे पसीना।
जून-जुलाई तपे महीना।
कहीं भरे सरोवर ताल।।
कहीं बाढ़ से मची तबाही।
ग्लोबल वार्मिंग दौड़ी आई।
एसी, वाहन मायाजाल।।
हमें प्रदूषण कम करना है।
पौध रोप खुशियां भरना है।
तब तपन का आए काल।।

जीके क्विज-156

1. मिस वर्ल्ड-2025 का खिताब किसने जीता?
2. किस टीम ने आइपीएल-2025 की ट्रॉफी जीती?
3. भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम का नया कप्तान किसे चुना गया है?
4. भारत की पहली महिला मुख्य चुनाव आयुक्त कौन थीं?
5. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है?
6. स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री कौन थे?
7. भारत का सबसे छोटा राज्य कौन-सा है?
8. किस देश को पछाड़कर भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी वाला देश बन गया है?
9. न्यूजीलैंड की राजधानी कहां है?
10. ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने के लिए मुख्य रूप से कौन-सी गैस जिम्मेदार है?

बच्चो, जीके क्विज-155 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-155 का उत्तर : 1.अनीता आनंद, 2.बानू मुश्ताक, 3.यूएसएस नाटलिस, 4.संजय मल्होत्रा, 5.कर्नाटक, 6.इटली, 7.पृथ्वीराज चौहान, 8.लैक्टोवेसिलस, 9.मैंगीफेरा इंडिका, 10. 5 जून

जीके क्विज-155 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, कोमल-रायपुर, जयंत-बिलासपुर, हर्षित- दुर्ग, दिव्या-बलौदा बाजार, संकेत-महासमुंद, कुंदन-भोपाल, आकाश-रायगढ़, शिवम-मटियारी, चिराग-रोहतक, सचिन-महेंद्रगढ़

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में टीना अपने लवली डॉगी के साथ खड़ी है। एक जैसे दिखने वाले इन दोनों चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। फटाफट सारे अंतर बताओ।

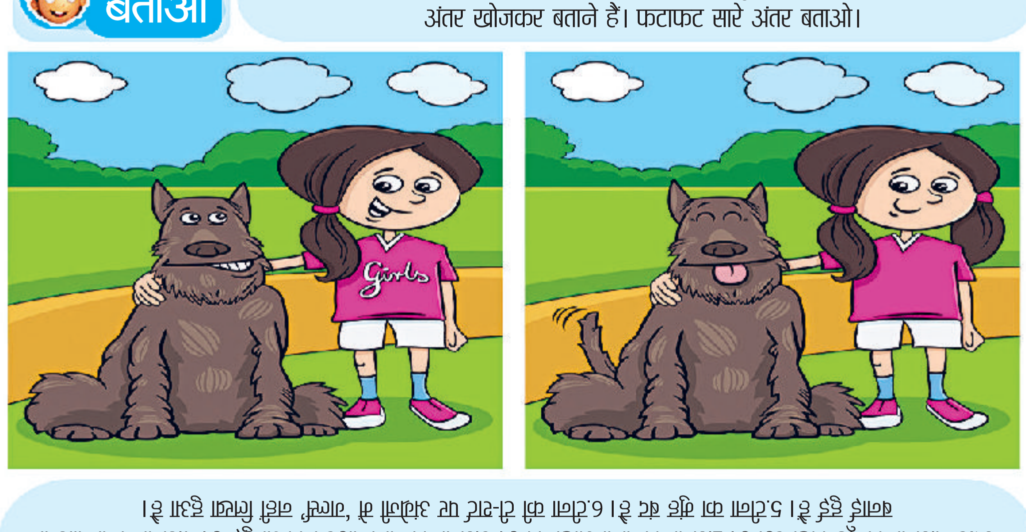

उत्तर: 1.डॉगी की पूंछ दिख रही है। 2.डॉगी की दोनों आंखें बंद हैं। 3.डॉगी की जीभ बाहर निकली हुई है। 4.टीना के दो चोटियां बनाई हुई हैं। 5.टीना का मुंह बंद है। 6.टीना की टी-शर्ट पर अंग्रेजी में 'गर्ल्स' नहीं लिखा हुआ है।

चित्र पूरा करो

बच्चो, यहां पेड़ से फल तोड़ती हुई एक लड़की का चित्र दिया गया है। इस चित्र का एक हिस्सा कटा हुआ है। चित्र के बगल में दिए गए तीन ऑप्शंस में से तुम सही कटआउट को खाली जगह पर लगाकर चित्र पूरा करो।

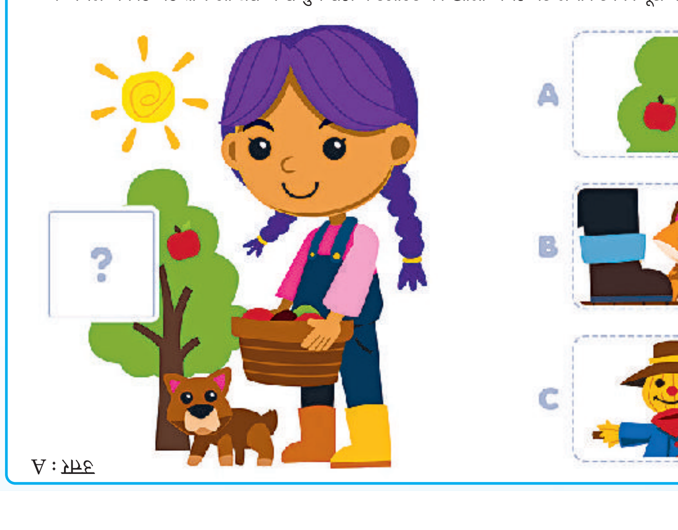

उत्तर : A

खबर संक्षेप

मुंडिया खेड़ा में जल जागरूकता कार्यक्रम

मंडी अटेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर खंड सिहमा की ग्राम पंचायत मुंडिया खेड़ा में सरपंच महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में पर्यावरण संरक्षण एवं जल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम सचिव हितेश ने बताया कि पेड़ पौधे हमें शुद्ध हवा, जल, और भोजन प्रदान करते हैं, जिससे हमारा जीवन जीने योग्य बनता है।

बिजली योजना स्कीम को डीएलसी कमेटी बनी

नारनौल। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना स्कीम के क्रियान्वयन के लिए डीएलसी कमेटी गठन किया गया है। इसमें कमेटी के अध्यक्ष उपायुक्त होंगे, सदस्य अतिरिक्त उपायुक्त, अधीक्षक अभियन्ता डिस्कॉम सदस्य सचिव, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी सदस्य, अग्रणी बैंक प्रबन्धक सदस्य व परियोजना अधिकारी एनआरई सदस्य होंगे।

बाबा भुच्चर नाथ सरभंग आश्रम में कलश यात्रा

सतनाली मंडी। सिद्ध बाबा भुच्चर नाथ सरभंग आश्रम परिसर में दो दिवसीय मूर्ति स्थापना कार्यक्रम के पहले दिन भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन महंत योगी जितेन्द्र नाथ महाराज के सानिध्य में बैंड-बाजे के साथ श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली, जो कस्बे की विभिन्न मार्गो से होते हुए आश्रम परिसर पर पहुंची। कलश यात्रा में गौरव झांकी ग्रुप द्वारा राधा-कृष्णा सहित अनेक शानदार झांकी प्रस्तुत की गई।

मंढाणा में पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण

नारनौल। पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंढाणा के परिसर में एक महत्वपूर्ण व सार्थक पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल के तहत केंद्र के हरे भरे वातावरण को और अधिक समृद्ध बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के औषधीय व छायादार पौधे लगाए गए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉ. काजल यादव ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

अरावली हरित दीवार के तत्वावधान में वन विभाग 7.40 लाख पौधे बांटेगा

सरकार और जिला प्रशासन पर्यावरण संरक्षण को प्रतिबद्ध : डीसी डॉ. विवेक

जिला प्रशासन तथा वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम आयोजित राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम 2.0 की शुरूआत की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला महेंद्रगढ़ को हरा भरा बनाने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर वीरवार को राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम 2.0 की शुरूआत हुई। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने लघु सचिवालय के नजदीक पौधारोपण करके इस अभियान की शुरूआत की। अरावली हरित दीवार के तत्वावधान में इस बार वन विभाग 7.40 लाख पौधे वितरित करेगा। इनमें 2.51 लाख आमजन को तथा शेष विभिन्न विभागों को दिए जाएंगे। पौधारोपण के बाद सभागार में जिला प्रशासन तथा वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि हरियाणा सरकार तथा जिला प्रशासन पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्य में सरकार के साथ साथ समाज के प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने घर आंगन या सार्वजनिक जगह पर हर वर्ष पौधा लगाकर उसके बड़ा होने तक उसकी जिम्मेदारी उठाएं। आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण का संरक्षित होना बहुत जरूरी है। हमें अपने बच्चों को ऊर्जा संरक्षण, रिसाइकिल, रीयूज के संस्कार देने होंगे। उन्हें वातावरण को लेकर संवेदनशील बनाना होगा।

डीएफओ विजेंद्र सिंह ने वन विभाग की ओर से उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी दी। इस मौके पर एसडीएम नांगल चौधरी मनोज कुमार, एसडीएम रमित यादव, डीएसपी सुरेश कुमार, सीएमओ डॉ. अशोक कुमार, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, जिला शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार, प्राचार्या पूर्ण प्रभा, हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड पंचकूला के जिला समन्वयक देसराज शर्मा व आरएफओ रजनीश कुमार के अलावा अन्य मौजूद थे।

नारनौल। लघु सचिवालय के पीछे राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम 2.0 की शुरूआत करते डीसी डॉ. विवेक भारती।

इन प्रजातियों के पौधे किए जाएंगे वितरित

डीएफओ विजेंद्र सिंह ने बताया कि जिले में इस बार 7.40 लाख पौधे वितरित किए जाएंगे। इनमें नीम, पीपल, बरगद, पिलखन, गुल्लर, कनक चंपा, पापड़ी, कचनार, अमरूद, नींबू, जामुन, अनार, गुलमोहर, गुलाब, शहतूत, बेरी, बेल पत्र, खजूरए टिकोमा, सिरस, सांगवान, आंवला, इमली, कनेर, बोगन बेल, गुड़हल, चांदनी, अमलताश, जामुन आदि प्रजाति के पौधे शामिल है।

श्प्राण वायु देवता पेंशन योजना शुरू की

डीसी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हरियाणा सरकार ने श्प्राण वायु देवता पेंशन योजना शुरू की है। इस अनूठी योजना के तहत 75 वर्ष या उससे अधिक आयु के पेड़ों के रखरखाव के लिए सरकार की ओर से सालाना तीन हजार रुपये की पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य पुराने पेड़ों के संरक्षण को प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा वन मित्र और एक पेड़ मां के नाम योजनाओं के तहत वन मित्र गड्ढे खोदकर पेड़ लगाने और उनका संरक्षण करने का कार्य करते हैं, जिसके लिए उन्हें प्रति पेड़ 20 रुपये दिए जाते हैं। एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत लगाए गए पेड़ों का संरक्षण वन मित्रों को सौंपा जाता है, जिसके लिए उन्हें पहले साल 10 रुपये प्रति पेड़ प्रति माह और दूसरे साल आठ रुपये प्रति पेड़ प्रति माह दिए जाते हैं।

खबर संक्षेप

सिहमा में किरण चौधरी के जन्मदिन पर पौधरोपण

मंडी अटेली। भाजपा से राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के जन्मदिन पर सिहमा में उनके वर्कर अमीलाल ठेकेदार ने गांव की सरपंच सुमन देवी के पति प्रमोद यादव के साथ विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बाबा खेतानाथ पार्क में पौधरोपण किया। इस मौके पर कर्ण सिंह, दानसिंह, रिटायर्ड इंस्पेक्टर रामस्वरुप, अशोक शर्मा, नरेंद्र यादव, सोनू खामपुरा, नीरज कुमार के अलावा अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

अटेली क्षेत्र की पंचायत ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

मंडी अटेली। विश्व पर्यावरण दिवस पर क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, ग्राम पंचायतों एवं सरकारी विभागों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। अटेली क्षेत्र के गुजरवास में सरपंच वर्षा रानी ने पंचायत सदस्यों एवं ग्रामीणों के साथ राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य रोशन लाल एवं राजकीय उच्च विद्यालय में मुख्याध्यापिका सरिता शर्मा के साथ स्कूलो में वृक्षारोपण किया। बिहाली में सरपंच बीना यादव, कांटी में सरपंच देवी सिंह तथा भौड़ी में सरपंच प्रदीप ने राजकीय स्कूलों में स्कूल मुखियाओं के साथ वृक्षारोपण किया, जबकि जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से खंड संसाधन संयोजक विक्रम यादव ने गांव हसनपुर में सरपंच बलराम के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण को शुद्ध रखने का संदेश दिया। गुजरवास में वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सरपंच वर्षा रानी ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक

महेंद्रगढ़। गांव सीगड़ा में बीएमडी फाउंडेशन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण किया गया। राज्य युवा पुरस्कार विजेता कर्मपाल यादव ने बताया कि पांच जून का दिन दुनिया भर में विश्व पर्यावरण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की एक खास थीम होती है। विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने का मकसद लोगों को पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक और सचेत करना। प्रकृति बिना मानव जीवन संभव नहीं। बीएमडी फाउंडेशन सदस्य कर्मवीर सिगड़िया ने बताया कि हमें याद रखना चाहिए कि प्रकृति ने इंसान को पैदा किया और अपने आस्तित्व के लिए इंसान को उसकी जरूरत है। इस अवसर पर दीपक कुमार, यशपाल, गांगुली, नीरज, मंजीत उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विवि में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने विश्वविद्यालय के ट्रांजिट आफिस में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान की शुरूआत की। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने पर्यावरण सरंक्षण का उल्लेख करते हुए प्लास्टिक प्रदूषण का हटाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार के नेतृत्व व मार्गदर्शन में प्रकृति संरक्षण की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

राजकीय महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्यातिथि प्राचार्या एवं जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्रो. (डॉ.) पूर्ण प्रभा रही। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए पर्यावरण संरक्षण को एक दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर बल दिया। इको क्लब प्रभारी प्रो. जितेंद्र कुमार ने पर्यावरण दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं वर्तमान प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को प्लास्टिक के जैव अपघटनीय न होने से उत्पन्न दीर्घकालिक परिस्थितियों संकट से अवगत कराया। महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया।

हलका प्रभारी बने विनोद भील, प्रमोद ताखर को मिली प्रधान की जिम्मेदारी

नांगल चौधरी। जननायक जनता पार्टी के सुप्रीमों डॉ अजय चौटाला ने हलका स्तरीय कार्यकारिणी गठित कर दी। जिसमें वरिष्ठ जेजेपी नेता विनोद भील को नांगल चौधरी हलका प्रभारी का दायित्व दिया गया है। इसके अलावा चारों विधानसभा में प्रधानों की नियुक्ति की गई है, जिन्हें संगठन को मजबूत करने के टिप्स भी दिए गए हैं। वरिष्ठ जेजेपी नेता हजारीलाल लंबोरा ने बताया कि विनोद भील को जनप्रतिनिधित्व का लंबा अनुभव है। तीन बार जिला पार्षद निर्वाचित होने के अलावा बतौर निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। हलका प्रभारी की जिम्मेवारी मिलने से संगठन को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा लीगल सेल के जिला प्रधान रह चुके एडवोकेट प्रमोद ताखर को नांगल चौधरी हलका प्रधान का दायित्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही हलका स्तरीय कार्यकर्ताओं की मीटिंग बुलाई जाएगी, जिसमें

समिति ने 1000 पौधे वितरित किए

- श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति के पर्यावरण सखी कार्यक्रम से जुड़ रहीं महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण सखी कार्यक्रम के तहत वीरवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर क्षेत्र के करीब 10 गांवों में पौधे वितरण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान गांवों में पौधरोपण कार्यक्रमों का भी आयोजन समिति की ओर से किया गया। कार्यक्रम में समिति की अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव मुख्यातिथि रही। समिति की ओर से 1000 पौधे वितरित किए गए। डॉ. पवित्रा राव ने उपस्थित लोगों को पेड़-पौधों के महत्व से अवगत करवाते हुए कहा कि बढ़ते पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए प्रत्येक मानव को इस बरसात के मौसम में एक-एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले पीढ़ी को हम स्वच्छ वातावरण का सबसे बड़ा तोहफा दे सकते हैं। समिति प्रवक्ता मनोज कुमार ने बताया कि समिति की ओर से पर्यावरण सखी कार्यक्रम के तहत गांव राजावास, मांडोला, जेरपुर, निंबी, नांवा, डिगरोता, डालनवास सहित दर्जनभर गांवों में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान ग्रामीण महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक किया गया तथा महिलाओं को पौधे वितरित किए गए।

महेंद्रगढ़। महिलाओं को पौधे वितरित करती डॉ. पवित्रा राव। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण की अलख जगा रहे बच्चे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- बीआर स्कूल में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

गांव सेहलंग स्थित बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यार्थियों के लिए एक विशेष अभियान का आयोजन किया। इस दौरान छात्रों ने घर पर रहकर ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जागरूकता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। विद्यालय के चेयरमैन हरीश भारद्वाज के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को पर्यावरण से संबंधित चार्ट बनाने, पौधे लगाने और उनके साथ अपनी तस्वीरें भेजने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों में बचपन से ही पर्यावरण के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। छात्रों ने उत्साहपूर्वक इस गतिविधि में भाग लिया। कई छात्रों ने सुंदर और सूचनात्मक चार्ट बनाकर पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दशार्या। वहीं अन्य ने अपने घरों में और आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने में योगदान दिया।

महेंद्रगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण करता स्कूल का विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में डीसी ने सुनी समस्याएं

महेंद्रगढ़। लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में वीरवार को आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने की। डीसी डा. विवेक भारती ने बताया कि समाधान शिविर मुख्यमंत्री की जन-सेवा, समर्पण और समाधान की सोच को जमीन पर उतारने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे है। जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ उपमंडल स्थित लघु सचिवालय में हर वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जनता की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहा है। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न प्रशासनिक एवं शासकीय विभागों से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान प्राप्त हो रहा है।

राजबाला बनी राहुल गांधी विचार मंच कोर कमेटी जिला उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजबाला

- कांग्रेस की रीति नीतियों को जन जन तक पहुंचाने तथा प्रसार प्रचार के लिए बनाया गया

राहुल गांधी विचार मंच की कोर कमेटी ने सर्व सहमति से राजबाला पत्नी राजेश कुमार नांगल कथा को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विचार मंच कांग्रेस की रीति नीतियों को जन जन तक पहुंचाने तथा प्रसार प्रचार के लिए बनाया गया है, जोकि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की विचारधारा का पूर्ण समर्थन करता है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी विचारधारा को जनता तक पहुंचाने की हरसंभव प्रयास किया जाएगा। नियुक्ति के लिए राहुल गांधी, जितेश्वरी आनंद राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूरणमल शर्मा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रभारी राहुल गांधी विचार मंच, सुरेंद्र नंबरदार अध्यक्ष हरियाणा राज्य, श्यामसुंदर शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष राहुल गांधी विचार मंच हरियाणा का आभार जताया।

युवा साथी ग्रुप व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ने लगाए पौधे

नारनौल। पर्यावरण दिवस के अवसर पर युवा साथी ग्रुप व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सदस्यों ने शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज नांगल चौधरी में मिलकर पौधारोपण किया। इस पहल में कॉलेज के छात्रों व दोनों संगठनों के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अनिल यादव ने बताया कि पर्यावरण दिवस को सार्थक बनाते हुए सभी उपस्थित सदस्यों ने मिलकर नीम के पौधे लगाए। टीम के सदस्य योगेश सैनी ने बताया कि पर्यावरण दिवस पर कॉलेज में 50 फलदार पौधे लगाए है। इस मौके पर डॉ. सुनीता हुड्डा, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. दीपक शर्मा, रमाकांत, आशा कुमारी, अंजलि, सुमेर, योगेश सैनी, देवेंद्र, कुलदीप, सीताराम, मनीष आदि मौजूद थे।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

महेंद्रगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयुष विभाग द्वारा वीरवार को सामान्य अस्पताल के प्रांगण में पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर डॉ. इंदु अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को आज एक पेड़ लगाकर पर्यावरण को हरा भरा रखने का संदेश देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें न केवल पेड़ लगाना है बल्कि उसकी आने वाले समय में देखभाल भी करनी है। पेड़ न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाते हैं, बल्कि रोगों से लड़ने में भी सहायक होते हैं। अस्पताल जैसे स्थानों पर हरियाली का होना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इस दौरान डॉ. दीपक, फार्मासिस्ट अनिल कुमार सहित विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

50 पौधे लगाकर दिया पर्यावरण सरंक्षण का संदेश

महेंद्रगढ़। गांव पोता में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में युवाओं ने पौधारोपण किया व आने वाली पीढ़ियों को एक संदेश दिया कि वह भी पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। पर्यावरण प्रेमी अजय कुमार ने बताया कि वह हर वर्ष लगभग 50 से 60 बड़ (बरगद) और पीपल के पौधों को गांव की बनियों में लगाते हैं और उनके संरक्षण के लिए जाली का प्रबंध भी करते हैं और उनकी देखभाल करते है। इस मौके पर राजू उर्फ अजय कुमार, हरविंद्र मास्टर, राकेश कुमार उर्फ भूरिया, कुलदीप कुमार उर्फ ढिंगा , लोकेश कुमार पंच, बबलू मौजूद रहे।

मुहिम माता सती वेलफेयर समिति निरंतर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों में जगा रही अलख

पर्यावरण को बचाने का सबसे सरल उपाय पौधारोपण

चार साल में माता सती जोहड़ी का कर दिया सौंदर्यकरण, अब त्रिवेणी लगा मनाया पर्यावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

माता सती वेलफेयर समिति की ओर से गांव गहली में वीरवार पर्यावरण सरंक्षण के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसका नेतृत्व समिति अध्यक्ष सिकंदर गहली ने किया। इस दौरान माता सती मंदिर प्रांगण में त्रिवेणी लगाकर पौधारोपण की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर अध्यक्ष सिकंदर गहली ने कहा कि वर्ष 2021 में सती माता जोहड़ी के सौंदर्यकरण का कार्य शुरू किया गया था। आज जोहड़ी के चारों तरफ पेड़ ही पेड़, घूमने का पक्का रास्ता व जल भराव का सराहनीय कार्य किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यदि पर्यावरण संरक्षण व पौधारोपण एक जन मुहिम बन जाए तो पर्यावरण को निश्चित रूप से दुषित होने से बचाया जा सकता है। बढ़ता प्रदूषण, प्लास्टिक, कचरे के ढेर, बाहर और औद्योगिकरण व जलवायु परिवर्तन पर्यावरण के लिए एक बड़ा खतरा है। पर्यावरण को बचाने का सबसे सरल उपाय पौधारोपण है। प्रवक्ता धर्म सिंह व विजय पाल एडवोकेट ने कहा कि पौधे प्रकृति के फेफड़े माने जाते है। पौधे दुषित गैसों का अवशोषण करके पर्यावरण को स्वच्छ रखने का कार्य करते हैं।

नारनौल। माता सती मंदिर परिसर में त्रिवेणी लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

पेड़ों की कटाई, छंटाई व पानी डालने का कार्य भी समिति सदस्यों ने किया

उन्होंने कहा कि सिकंदर गहली द्वारा हर वर्ष इस दिवस पर पौधारोपण व उनकी लगातार देखभाल करना एक पुनीत कार्य है। कचरा व प्लास्टिक आज पर्यावरण के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हमें आवश्यकताओं को कम करके पर्यावरण संरक्षण में अमूलम योगदान देना है। पर्यावरण दिवस पर पेड़ों की कटाई, छंटाई व पानी डालने का कार्य भी समिति सदस्यों द्वारा किया गया। यहां आए ग्रामीणों का कहना था कि आत सती माता मंदिर परिसर में सभी का मन लगता है। बुजुर्ग लोग पेड़ों की शीतल छावों में दोपहर को विश्राम करते है। टहलने के लिए सुंदर वातावरण में ही महिलाएं यहां पर बैठकर सती माता के भजनों का आनंद लेती है। जोहड़ी में पशु, पक्षियों व जीवों के लिए पानी भरा रहता है। इस मौके पर हवासिंह, रामफल, ईश्वर, सुबेदार धर्मसिंह, उमेद सिंह, चरण सिंह, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप, मनोज, शमसेर, महावीर, संदीप, राहुल, पुनीत, कर्मवीर, जितेंद्र, अनिल, जीतू, विक्रांत व ओविन मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

नारनौल। उपमंडल अधिकारी नागरिक कनीना को ज्ञापन सौंपते समाजसेवी अतरलाल। फोटो : हरिभूमि

राज्य सड़क मार्ग को फॉरलेन बनाने की मांग

नारनौल। प्रजा भलाई संगठन ने क्षेत्र का सबसे पुराना महेन्द्रगढ़ वाया कनीना रेवाड़ी राज्य सड़क मार्ग पर आए दिन हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता प्रकट करते हुए राज्य सरकार से महेन्द्रगढ़ रेवाड़ी सड़क मार्ग को फॉरलेन बनाने की मांग की है। संगठन सुप्रीमो अतरलाल एडवोकेट के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने वीरवार को हरियाणा के पीण्डब्ल्यूण्डी मंत्री रणबीर गंगवा को प्रेषित ज्ञापन उपमंडल अधिकारी नागरिक कनीना को सौंपकर महेन्द्रगढ़ से रेवाड़ी सड़क मार्ग को त्वरित फॉरलेन बनाने की मांग की। उपमंडल अधिकारी कनीना ने तत्काल ज्ञापन सरकार को प्रेषित करने का भरोसा दिया।

नारनौल। पौधरोपण करते हुए।

पेड़ पौधों से ही बचाया जा सकता है पर्यावरण: गौड़

नारनौल। विश्व पर्यावरण दिवस पर राजकीय उच्च विद्यालय खटोटी कलां में सरकार की ओर से चलाई गई मुहिम एक पेड़ मां के नाम पर विद्यालय प्रांगण में छात्रों के साथ पौधे लगाए। डॉ. गौड़ ने बताया कि हर नागरिक को अपने जीवन में पौधे अवश्य लगाने चाहिए, ताकि हमारा पर्यावरण प्रदूषण मुक्त हो और तभी मानव जीवन स्वस्थ रह सकता है। इसलिए देश के हर नागरिक की ये नैतिक जिम्मेवारी बनती है कि अपने जीवन में हर खुशी के अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाए।

रेडक्रॉस कार्यालय में पर्यावरण दिवस मनाया

नारनौल। जिला रेडक्रॉस सोसायटी व पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की ओर से संयुक्त रूप से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रेडक्रॉस कार्यालय में पौधारोपण करके विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर रेडक्रॉस कार्यालय से डॉ. एसपी सिंह ने कहा कि यह दिन हमें अपनी पृथ्वी, अपने पर्यावरण के प्रति हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के जिला सहसंयोजक दीपक कुमार वशिष्ठ ने बताया कि यह दिन लोगों को पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर सोचने और उनके समाधान के लिए प्रेरित करता है, हम सब मिलकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें। इस मौके पर शोभा शर्मा, मनोज शर्मा, सुनील, सुरेश कुमार वशिष्ठ, पूजा यादव, अंकित शर्मा, प्रवीन यादव, सुमित शर्मा, आंचल सैनी, मुस्कान शर्मा, पूजा शर्मा आदि मौजूद थे।

एडवोकेट कृष्ण शर्मा ने नर्सरी में तब्दील कर दिया घर

- गत 20 वर्षों से पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दें रहे संदेश, माता–पिता की प्रेरणा से बनी यह सोच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। वेस्ट मैटिरियल के तहत जिन पौधों को छांव में रखना जरूरी, उनके साथ पर्यावरण प्रेमी कृष्ण शर्मा।

वर्तमान समय में प्रदूषण बड़ी समस्या है। प्रदूषण के निस्तारण के लिए पौधरोपण सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। शहर नारनौल की नई सराय निवासी अधिवक्ता कृष्ण कुमार शर्मा गत 20 वर्षों से भी ज्यादा समय से पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। वह पेशे से एक वकील भी हैं। कृष्ण कुमार ने बताया कि युवावस्था से ही उन्हें पेड़ पौधों और पर्यावरण से लगाव रहा है। अपनी स्वर्गीय माता पिता रेवती देवी एवं गंगाराम शर्मा की प्रेरणा से ही उन्होंने पौधरोपण का कार्य शुरू किया था। एडवोकेट कृष्ण कुमार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जागरूकता बढ़ाने, पौधारोपण करने और लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। रोजमर्रा की व्यस्तता और आधुनिक युग की चकाचौंध के बीच लोग पर्यावरण संरक्षण से दूर होते ही चले गए और इसका खामियाजा ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ती बीमारियां, घटते जल, निरंतर कम होते वन क्षेत्र के रूप में भुगतना पड़ा। आज पूरा विश्व आग का गोला बना हुआ है, इसका एकमात्र कारण पर्यावरण के लेकर हमारी असंवेदनशीलता ही है।

वेस्ट मैटिरियल का किया सदुपयोग

पर्यावरण संरक्षण का सार्थक सन्देश देने वाले कृष्ण कुमार एडवोकेट के घर में लगी बगिया का जब निरीक्षण करते हैं तो यह हर नजरिये से पर्यावरण संरक्षण के अनुकूल मिलती है। बगिया में प्लास्टिक डिस्पोजल, सर्फ, दूध और पर्चुने के सामन में प्रयुक्त खाली थैलियां, रसगुल्ले के खली डिब्बे, दही के कप, चाय और पानी के डिस्पोजल, बोतल जैसी वेस्ट चीजों को भी बेहतर काम में लिया हुआ है। फेकने लायक हर बर्तन अथवा डिब्बे में आपको छोटा सा पौधा सीना तानकर खड़ा मिलेगा। इस प्रकार कृष्ण कुमार प्लास्टिक कचरे के भी बेहतर निस्तारण कर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दे रहे हैं। टूटे कप, मटके, चीनी मिटटी के बर्तन, तेल की पिपियां सब गार्डन में पौधे लगाने के काम में आ रही हैं।

घर में सैकड़ों किस्म के पौधे

हरिभूमि के साथ बातचीत में एडवोकेट कृष्ण शर्मा ने बताया कि लोगों को पौधारोपण करते देख और गांव में पिताजी को पीपल, बरगद आदि लगाते देख उन्हें भी जिज्ञासा हुई। उनकी देखादेखी उन्होंने भी पेड़ों की सेवा आरंभ की। शुरुआत घर से की। जहां भी जाते हैं वहां से कोई न कोई पेड़ पौधा लेकर उसे अपने घर में लगाना शुरू किया। आज कृष्ण शर्मा के घर में सैकड़ों किस्म के पौधे है जिनमे से अनेक दुर्लभ पौधे भी लगाये हुए है। घर को बेहतर बाग में बदलने वाले कृष्ण कुमार एडवोकेट का प्रयास इस बात का सबूत है कि सफलता साधनों की मोहताज नहीं होती। घर में एक इंच भी कच्ची जमीं न होने के बावजूद भी अपनी लगन और समर्पण से एडवोकेट शर्मा ने घर को हरा भरा बनाकर पर्यावरण संरक्षण का शानदार सन्देश दिया है। उनकी बगिया में एक तरफ तो इलायची, रुद्राक्ष, सीधे बांस, शमी जैसे विशेष पौधे देखने को मिलते है तो दूसरी तरफ बेलपत्र, जामुन, संतरा और नीम की बोनसाई वैरायटी देखने को मिलेंगी। पर्यावरण के प्रति एडवोकेट शर्मा का जानूं ही है कि उनके घर में गमलों में न केवल फलदार पौधे लगे हुए हैं बल्कि उनपर शानदार फल भी लग रहे हैं। उनके गार्डन में कम से कम छह प्रकार के चंपा के पौधे और इतनी ही तरह के पाम के पौधे लगे हुए हैं। आज पर्यावरण दिवस पर कृष्ण कुमार जैसे योद्धाओं की सख्त आवश्यकता है। वह बताते हैं कि मानसून के सीजन में वे पौधरोपण और उनकी देखरेख पर विशेष फोकस करते है। धीरे–धीरे उनका प्रयास रंग लाने लगा है और उनके इस अभियान को विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं व्यक्तियों का साथ भी मिलने लगा है। उनके साथ पौधारोपण में मुख्य रूप से प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट, श्री गौड़ ब्राहमण सभा और अनेक समाजिक संस्थाएं शामिल होने लगी हैं। पौधरोपण के अलावा उन्होंने चिड़ियों के घोंसले बनाने का अभियान, बर्ड फीडर लगाने का अभियान भी संचालित किया हुआ है। उनका प्रयास लोगों में जागृति लाकर पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना है।

आरोपित युवक ने नगर परिषद की मीटिंग में पार्षदों से मांगी माफी

वार्ड पार्षद को गंदे पानी में चलाने का माफीनामा के साथ हो गया पटाक्षेप

अन्य युवकों एवं वीडियो वॉयरल करने वाले को भी मीटिंग में बुलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। मीटिंग के दौरान अपना–अपना पक्ष रखते हुए। फोटो : हरिभूमि

न्यू कॉलोनी जमालपुर के गंदे पानी में वार्ड पार्षद को चलाने के मामले में वीरवार को नगर परिषद की मीटिंग में पटाक्षेप हो गया। एक पक्ष ने माफी मांग ली तो दूसरे पक्ष ने माफ कर दिया। इस मौके पर नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी एवं वाइस चेयरमैन संजीव यादव समेत अनेक पार्षदगण मौजूद रहे। मीटिंग कई बार हंगामेदार भी बनी। बता दें कि शहर के वार्ड नंबर 26 में नई कॉलोनी जमालपुर एरिया पड़ता है। यहां पर सिंघाना रोड पर रेनबो अस्पताल से कुछ आगे से रास्ता और मोहल्ला जमालपुर, सैन चौक व महावीर चौक से जोहड़ की तरफ से रास्ता आता-जाता है। यहां चौराहा भी बनता है। इसी जगह कई माह से सीवर ओवरफ्लो होता रहता है। यहां पर पानी की निकासी के लिए एक नाला भी बना हुआ है, जो महावीर चौक टेलीफोन एक्सचेंज की तरफ जाता है, वह बंद है। इस कारण यहां पर गंदा पानी हमेशा सड़क पर भरा रहता है। इस रास्ते से आवागमन करने में लोगों को परेशानी होती है। हुआ यूं कि गत 29 मई शाम करीब पांच बजे बलराम व उसके अन्य चार-पांच साथ यहां के वार्ड पार्षद कांशीराम के घर गए। कांशीराम का आरोप है कि वह उसे जबरन न्यू कॉलोनी जमालपुर लेकर गए तथा फिर जबरन गंदे पानी में चलाया तथा गाली-गलौच करते हुए इसका वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वॉयरल करवा दिया, जिससे उसके सम्मान को ठेस पहुंची। यह वीडियो वॉयरल होने के उपरांत नगर पार्षदों में इस घटना के विरोध में रोष फैल गया तथा उन्होंने एक मीटिंग आयोजित कर न केवल इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की, बल्कि इसकी भर्त्सना करते हुए पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ को एक लिखित शिकायत देकर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बलराम एवं उसके चार-पांच अन्य सार्थियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया। वर्तमान मे पुलिस उसी मुकदमे की जांच आगे बढ़ाने में लगी हुई है। इसी बीच वीरवार प्रातः करीब 11 बजे नगर परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने अध्यक्षता की। इसमें अनेक वार्ड पार्षद एवं उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे। मीटिंग की शुरूआत में ही आरोपित युवक बलराम भी आया हुआ था, जिसने अपनी बात रखते हुए कहा कि उनसे गलती हो गई थी और उसके लिए वह क्षमाप्रार्थी हैं। इस पर पार्षदों ने उसे आड़े हाथों लिया और कहा कि वार्ड पार्षद भी जनता का प्रतिनिधि होता है।

लिखित में दिया माफीनामा

मीटिंग में घटना के आरोपित बलराम ने लिखित में माफी मांगी और बताया कि वह पार्षद कांशीराम से तहेदिन से क्षमाप्राथी हैं। उसका उद्देश्य मान हानि करने करना नहीं था। क्षणिक आवेश में आकर हुए इस कार्य के लिए उसे खेद है और भविष्य में इस तरह की पुनरावृति नहीं करेगा। वार्ड पार्षद कांशीराम समेत मौजूद सभी ने उसे माफ कर दिया। वह अब कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते। नप मीटिंग में चेयरपर्सन कमलेश सैनी, वाइस चेयरमैन संजीव यादव के अलावा नगर पार्षद मोहनलाल शर्मा, एफसी मैंबर राजेंद्र उर्फ टींकू सैनी, सिकंदर सैनी, नितिन चौधरी, संदीप भांखर, देवेंद्र, मनोज उर्फ बिल्लू सैनी, संदीप जैन एवं पार्षद प्रतिनिधि धूपसिंह बहल, सुमेर कांडा नीरपुर, अशोक सैनी आदि सहित अनेक पार्षदगण मौजूद रहे।

आरोपी से वॉयरल संबंधित कई सवाल-जवाब किए

कई बार सरकारी कामों में टाइम लग जाता है। शहर की समस्याओं के लिए यहां के विधायक एवं सांसद के साथ-साथ जिला प्रशासन के अधिकारी भी उतने ही जिम्मेदार हैं, जितना वह उन्हें मानता है। क्या उन्होंने कभी भी इनसे संपर्क किया और जिस प्रकार का व्यवहार पार्षद के साथ किया, क्या वह ऐसा इन उच्चस्थ के साथ भी करेंगे। इस पर युवक ने कहा कि उससे गलती हो गई और वह अब भूलकर भी वार्ड पार्षद तो दूर अपने घर-परिवार के लोगों को भी नहीं कहेंगे कि उसे कोई समस्या है। इस वार्ता के दौरान मीटिंग में मौजूद पार्षद इस बात पर अड़ गए कि पहले वे अपने साथ घटना के वक्त जो और लड़के थे, उनको बुलाकर मीटिंग में लाएं अन्यथा बात आगे नहीं बढ़ेगी। पार्षदों ने इस बात पर जोर दिया कि जिसने वीडियो वॉयरल की, उसे जरूर बुलाया जाए। इसके उपरांत बलराम ने वीडियो वॉयरल करने वाले सोशल वर्कर राहुल वर्मा का नाम लिया और बाहर जाकर उसको कई बार फोन कॉल की, लेकिन वह नहीं आया। उसके नहीं आने की बात उसने मीटिंग में भी बताई गई, लेकिन मौजूद पार्षदों ने उसे फिर से बुलाने को कहा, जिस पर अंततः राहुल वर्मा मीटिंग में आ गया। मीटिंग में आने उपरांत वार्ड पार्षदों ने राहुल से वीडियो वॉयरल करने के बारे में पूछताछ की, जिस पर उसने बताया कि उसने बलराम के कहने पर वॉयरल किया था। इस पर पार्षदों ने उससे वीडियो वॉयरल संबंधित कई सवाल-जवाब किए तथा हड़काते हुए उससे कहा कि वह गंदगी एवं अन्य समस्याओं को उठाते हैं, लेकिन इसके पीछे की कहानी नहीं बताते हैं कि उस समस्या को हल करने के लिए वार्ड पार्षदों ने कितनी मेहनत की। इससे उनकी काफी बदनामी होती है। वार्ड पार्षदों ने कहा कि यह सरकारी काम है और कई बार सरकारी कामों को हल कराने में समय लग जाता है। इसलिए वह नगर परिषद की बदनामी करना छोड़ दें। उनके इस व्यवहार से शहर के अनेक लोग परेशान हैं। यदि सोशल वर्क ही करना है तो वह भी उनके साथ काम करने में जुट जाएं।

पौधरोपण पर विशेष

मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान और लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ ने किया पौधरोपण

नारनौल। विश्व पर्यावरण दिवस पर मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान एवं लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ के सौजन्य से हुडा सेक्टर में योग साधना पर्यावरण संरक्षण व पौधारोपण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन से जुड़ी मातृशक्ति ने भागीदारी की। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. कृष्णा आर्या के आह्वान पर

महिलाएं सुबह साढ़े पांच बजे ही चमत्कारी मंदिर के पास स्थित योग स्थल पर घी व सामग्री लेकर पहुंच गई और मिथलेश आर्या के निर्देशन में हवन किया। इसके सभी ने योग शिक्षिका सरोज कश्यप के मार्गदर्शन में विविध यौगिक क्रियाएं, आसन प्राणायाम किए व पार्क में पौधारोपण किया। योग उपरांत वैदिक विदुषी डॉ. कृष्णा आर्या व मिथलेश आर्या ने वैदिक मन्त्रों से संपन्न करवाए गए यज्ञ व पौधारोपण में सविता यादव, विजय यादव, युगान्ता व सीमा आर्या ने विशेष यजमान बनकर हवन में सुगन्धित हवन सामग्री व घृत की विशेष आहुतियां डाली। इस मौके पर सविता यादव, सीमा यादव, विजय यादव, सरोज कश्यप, डॉ. कृष्णा कुमारी आर्या, शकुंतला यादव, मिथलेश, युगान्ता, सरोज कश्यप, सविता यादव, विजय यादव, राजबाला, सुमन देवी, कृष्णा देवी, जंत्री देवी, सीमा, अमरजीत, चन्द्रकला, अद्विक आदि मौजूद थी।

पर्यावरण बचाने को सभी आएं आगे: डॉ. गौरव खोश्या

नारनौल। विश्व पर्यावरण दिवस पर जीके सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल आजमनगर के डा. गौरव खोश्या ने बताया कि आमतौर पर लोग सोचते हैं कि पर्यावरण की समस्या केवल प्रदूषण है और गांवों में पर्यावरण संबंधी समस्याएं शहरों के मुकाबले कम हैं। मगर असलियत इसके ठीक विपरीत है। वायु प्रदूषण तो केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा है। विविध कारणों से वर्तमान समय में पृथ्वी पर तापमान लगातार बढ़ता ही जा रहा है, जिससे सामान्य जीवन जीना कठिन होता जा रहा है। इसलिए अब हम सबको पौधा लगाना बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम 10 पेड़ अवश्य लगाएं ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को एक सुंदर और स्वस्थ पर्यावरण दे सके। इस मौके पर केहर सिंह खोश्या, मोहित खोश्या, सतीश यादव, कर्ण सिंह यादव, योगेश, सन्दीप खोश्या, डॉ. विवेक यादव, डॉ. राजकुमार चौधरी, मन्जीत, राहुल, राधा, कंचन, सौरभ, अभय सिंह, धर्मेंद्र व दिनेश सहित क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

पौधों की अधिकता से संभव होगा स्वस्थ्य भारत का निर्माण

नांगल चौधरी। राजकीय सीनियर सकेंडरी स्कूल गोलवा में पर्यावरण दिवस पर प्राचार्य अनिल कुमार की अध्यक्षता में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जनजाग्रति मंच के संस्थापक एवं उच्च न्यायलय के एडवोकेट सत्यपाल यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों को पौधों की देखभाल तथा पर्यावरण संरक्षण मिशन को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण करने मात्र से हरियाली नहीं बढ़ पाएगी। उन्होंने पंचायतों को भी खाली रकबे पर पौधे लगाने तथा प्रत्येक परिवार को तीन-तीन पौधे गोद देने का सुझाव दिया। उन्होंने स्कूल के प्रांगण में पौधारोपण किया तथा युवाओं की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। मौके पर सुबेसिंह, प्रकाशचंद, सत्यवीर आर्य, वासूदेव थानेदार, हरिओम, महेंद्र मौजूद रहे।

नारनौल। पौधारोपण करते प्रधानाचार्य विनोद व अन्य। फोटो : हरिभूमि

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक दिन का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने कहा हमारा प्रयास है कि तकनीकी शिक्षा के साथ साथ छात्रों को सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों से भी जोड़ा जाए। पर्यावरण को संरक्षित रखने के उद्देश्य से संस्थान परिसर में 125 से अधिक पौधे रोपे गए। इनमें नीम, पीपल, गुलमोहर, अशोक व फलदार पौधे शामिल थे। रैली और नारे लेखन के तहत छात्रों ने नारों की तख्तियां लेकर प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ, हरियाली लाओ पृथ्वी बचाओ जैसे संदेशों के साथ जन जागरूकता रैली निकाली। इस मौके पर सतनारायण सिंह, सुनील यादव, वीरेंद्र सेकवाल, सुदर्शन, अमित, राजेश, मनीषा यादव, गुरदयाल, जगदीश, रमेश, प्रदीप आदि मौजूद थे।

हर सड़क दुर्घटना को गंभीरता से ले रहा प्रशासन: डॉ. विवेक भारती

- डीसी ने की सड़क सुरक्षा व सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार जिले में होने वाली प्रत्येक सड़क दुर्घटना को प्रशासन की ओर से गंभीरता से लिया जा रहा है। अधिकारी हर बार दुर्घटना स्थल का निरीक्षण करके उसके कारणों का पता लगाएं, ताकि प्रभावी रोकथाम के उपाय किए जा सकें। यह निर्देश उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने लघु सचिवालय में सड़क सुरक्षा व सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर बुलाई अधिकारियों की मासिक बैठक में दिए। इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने कहा कि हर व्यक्ति की जिंदगी कीमती है और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि टोल प्लाजा पर यातायात की स्थिति की निगरानी की जाए और आवश्यकतानुसार सुधार किए जाएं। उन्होंने लगातार स्कूल बसों की चेकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से नए एक्सीडेंट संभावित क्षेत्र के बारे में भी जानकारी ली। इस बैठक में सचिव आरटीए मनोज कुमार ने बारी बारी से सभी बिंदुओं पर रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कनीना। नपा कार्यालय प्रांगण में पौधारोपण करती चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढा व सचिव कपिल कुमार।

नपा चेयरपर्सन ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कनीना। विश्व पर्यावरण दिवस पर नपा कार्यालय प्रांगण में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस समारोह में पहुंची नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढा ने कहा कि विज्ञान के चमत्कार से भले ही हमारे रोजमर्रा के जीवन के कार्य आसान हुए हैं, लेकिन भागदौड़ भरी जिंदगी में पर्यावरण संरक्षण को भूल गए हैं। दूसरी ओर गणेशी लाल महिला महाविद्यालय में छात्राओं ने पौधारोपण किया। वहां पर जनशक्ति विकास संगठन के प्रधान दीपक कुमार ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में तकनीकी विकास के कारण जिंदगी काफी आसान हो गई है, लेकिन बदले में इसका बुरा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ा है। इस मौके पर महाविद्यालय की छात्रा आशा, अनुपमा, राधा, आरती, खुशबू, तन्वी, मुस्कान, कीर्ति, विनम, नीता उपस्थित थी।

दो दिन पहले नपा ने मौहल्ला सैनीपुरा तक चलाया था अभियान

11 हट्टा बाजार में चला चबूतरे पर पीला पंजा, शांतिपूर्वक रही स्थिति

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। अतिक्रमण हटाती जेसीबी मशीन। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका का अतिक्रमण हटाओ अभियान 11 हट्टा बाजार में प्रवेश कर गया है। वीरवार को करीब दो बजे नपा पूरे दलबल व पुलिस कर्मियों को साथ लेकर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। दोपहर दो बजे के बाद नपा के अधिकारी व कर्मचारी दो मशीनों के साथ पहुंचे। 11 हट्टा बाजार पर सड़क निर्माण से पूर्व अतिक्रमण हटाने के लिए बार-बार दुकानदारों को नोटिस दिए गए। दुकानदार भी अतिक्रमण हटाने को आगे आने लगे हैं। बुधवार को अधिकारियों के नहीं पहुंचने के कारण सड़क से अतिक्रमण हटाना तो दूर मलबा भी नहीं उठ पाया था। सचिव अनिल कुमार, जेई नवदीप की देखरेख में अभियान चलाया गया। नगरपालिका की ओर से दो दिन मुनादी भी कराई गई थी। जिम्मेदारों का दावा है कि 11 हट्टा बाजार से मसानी चौक तक करीब डेढ़ किलोमीटर में बनने वाली सड़क के दोनों किनारों से दुकानदारों द्वारा किए गए पक्के अतिक्रमण को पूरी तरह से हटाया जाएगा। नगर पालिका द्वारा मॉडल संस्कृति स्कूल से लेकर माता मसानी चौक तक सड़क का निर्माण 2.81 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। ठेकेदार की ओर से सैनीपुरा मोहल्ला से सड़क का निमार्ण कार्य शुरू किया हुआ हैं। सैनीपुरा मौहल्ले के लोगों ने सड़क के दोनों तरफ करीब 10-10 फुट का कब्जा किया हुआ हैं। बाजार के दुकानदारों ने दोनों तरफ कब्जा जमाए बैठे हैं। यह मार्ग दो महाविद्यालय, मॉडल संस्कृति स्कूल, 148-बी से जोड़ता हैं। इसके अलावा यह मार्ग 50 से अधिक गांवों को शहर से जोड़ता है। इस मार्ग पर 500 से अधिक दुकान हैं। शहर के लोगों की माने तो करीब 20 वर्ष पहले इस मार्ग पर सड़क का निर्माण हुआ था। सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोगों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा नारनौल से रेवाड़ी की जाने का भी सबसे छोटा रास्ता हैं। इस मार्ग पर मसानी चौक, पाठशाला रोड, परशुराम चौक, बास मोहल्ला, सैनीपुरा, गुर्जरों की ढ़ाणी में हजारों की संख्या में लोग रहते हैं। टूटी सड़क से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस मार्ग पर पांच-छह फीट की दूरी पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं। दो किलोमीटर लंबे इस मार्ग का सफर तय करने में वाहनों का आंधे घंटे का समय लग जाता है। अतिक्रमण हटने के बाद आवागमन में सुविधा होगी।

दुकानदारों को भी फायदा मिलेगा

नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि नगर पालिका द्वारा वीरवार को 11 हट्टा बाजार का अतिक्रमण हटा गया हैं। अतिक्रमण के कारण बाजार में जाम की स्थिति रहती है। अतिक्रमण हटने के बाद सड़क की चौड़ाई बढ़ाकर निर्माण कराया जाएगा। इससे दुकानदारों को भी फायदा मिलेगा।

जजपा ने बेदू राता को अटेली हलका अध्यक्ष किया नियुक्त

मंडी अटेली। जननायक जनता पार्टी ने बेदू राता को तीसरी बार अटेली हल्के का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस मौके पर नवयुक्त हलका अध्यक्ष बेदू राता ने

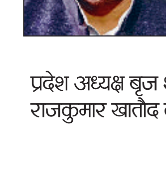

बताया कि वह पार्टी के लिए हमेशा समर्पित होकर कार्य करते हैं। पार्टी ने तीसरी बार उन पर भरोसा जताया है। वह इस भरोसे पर मजबूती से कार्य करेंगे। पार्टी पहले की तरह शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में आम लोगों की तकलीफों, समस्याओं एवं आम पब्लिक से जुड़े मुद्दों को प्रशासन तथा हरियाणा सरकार के समक्ष पूरे जोर शोर से उठायेगी तथा उनका समाधान करवाने का प्रयास करेगी। उन्होंने जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, दिग्विजय सिंह चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, जिला प्रभारी राकेश जाखड़ व महेंद्रगढ़ जिला अध्यक्ष राजकुमार खातौद का धन्यवाद किया है।